

PENINSULA PLATEAU

An aerial photograph of the Aravalli Range, showing a vast expanse of green, forested hills and valleys. The terrain is rugged with visible ridges and gullies. In the distance, the mountains fade into a hazy blue sky. A dark, winding path or road is visible on the right side of the foreground hill.

Aravalli Range

The western expanse of the central highlands extends to the Aravalli Mountains. This mountain separates the Rajasthan plain from the Mewar plateau of the central highlands. This mountain extends from Delhi in the north-east to Palanpur in Gujarat in the south-west. It is an example of India's oldest folding residual mountain. The Banas River separates the Abu hill from the Aravalli mountain range. Guru Shikhara 1722 is the highest peak of the Aravalli mountain on the Abu hill. The Aravalli mountain is also an important water divider of western India, with the Luni (falling in the Kutch run) and the Banas (tributary of the Chambal) originating from the Aravalli mountain region. From the point of view of metallic mineral resources, it has the largest reserves of copper, lead, zinc and mica.

केन्द्रीय उच्च भूमि का पश्चिमी विस्तार अरावली पर्वत तक हैं। यह पर्वत राजस्थान मैदान को राजस्थान बागर को केन्द्रीय उच्च भूमि के मेवाड़ पठार से अलग करता है। इस पर्वत का उत्तर-पूर्व में दिल्ली से लेकर दक्षिण-पश्चिम में गुजरात के पालनपुर तक विस्तार है। यह भारत की प्राचीनतम मोड़दार अवशिष्ट पर्वत का उदाहरण है। बनास नदी अरावली पर्वत श्रृंखला से आबू पहाड़ी को अलग करती है। आबू पहाड़ी पर गुरू शिखर 1722 अरावली पर्वत की सर्वोच्च चोटी है। अरावली पर्वत पश्चिमी भारत का एक महत्वपूर्ण जल विभाजक भी है, लूनी (कच्छ के रन में गिरती है) एवं बनास (चंबल की सहायक नदी) अरावली पर्वतीय क्षेत्र से निकलती है। धत्विक खनिज संसाधनों की दृष्टि से यहाँ ताँबा, सीसा, जस्ता, अभ्रक का सर्वाधिक भंडार है

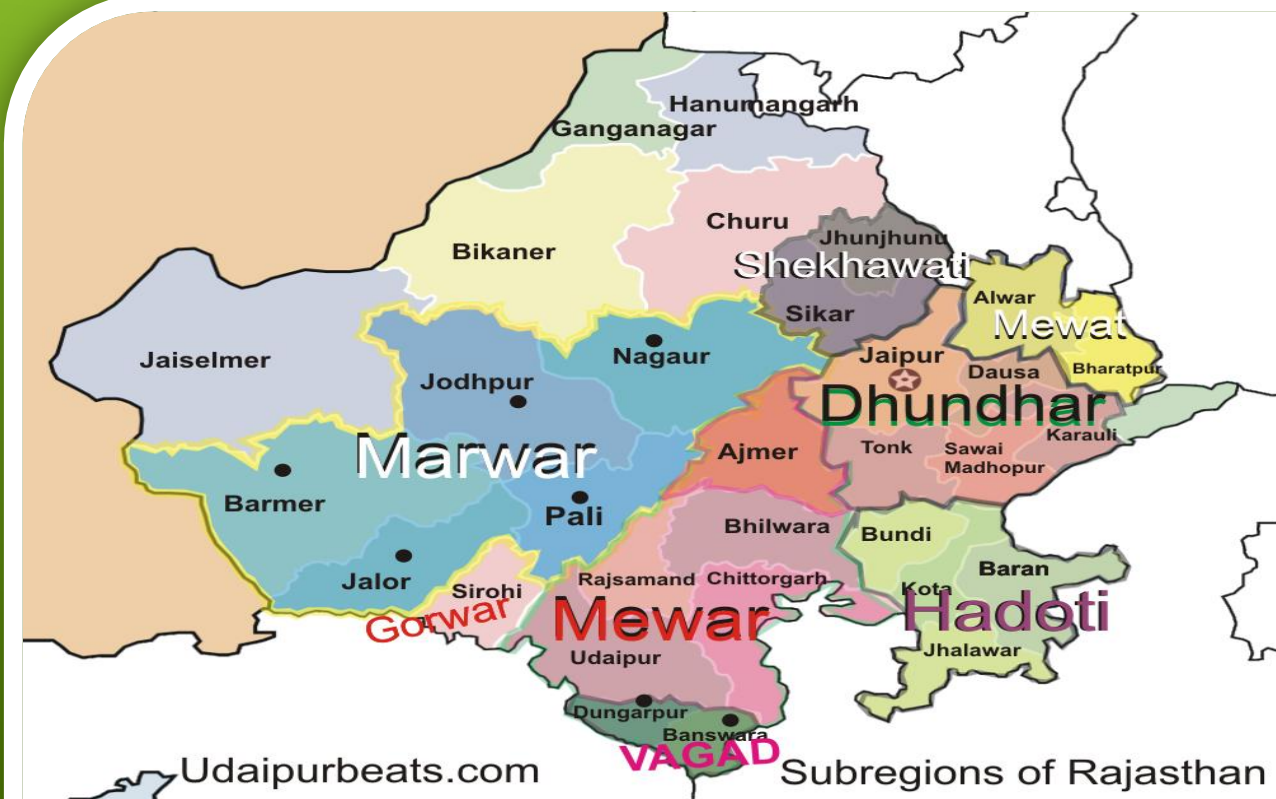
Mewar Plateau: - Mewar Plateau is spread in Rajasthan, Madhya Pradesh and Gujarat in the south-east of the Aravalli Mountains. It falls into Banas (tributary of Chambal) and Sabarmati (Gulf of Khambhat).

मेवाड़ का पठार:- अरावली पर्वत के दक्षिण-पूर्व में मेवाड़ पठार का विस्तार राजस्थान, मध्य-प्रदेश एवं गुजरात में है। बनास (चम्बल की सहायक) एवं साबरमती (खंभात की खाड़ी) में गिरती है।



Malwa Plateau: - The Malwa Plateau ranges from basalt rock formations of central highlands. The structure associated with the Malwa Plateau in Rajasthan is called the 'Harauti Plateau'. The drainage area of Chambal and its tributaries is related to this plateau. In India, the alluvial erosion has been developed in the Chambal river valley region, this degraded topography is also known as rugged land.

मालवा पठार:-मालवा पठार केन्द्रीय उच्च भूमि का बेसाल्ट चट्टान से निर्मित संरचना तक है। राजस्थान में मालवा पठार से सम्बन्धित संरचना को 'हरौती का पठार' कहते हैं। चंबल एवं इसकी सहायक नदियों के अपवाह क्षेत्र का सम्बंध इस पठार से है। भारत में जलीय अपरदन से निर्मित भूमि का सर्वाधिक विकास चम्बल नदी घाटी क्षेत्र में हुआ है, इस अपरदित स्थलाकृति को बीहड़ भूमि भी कहते हैं



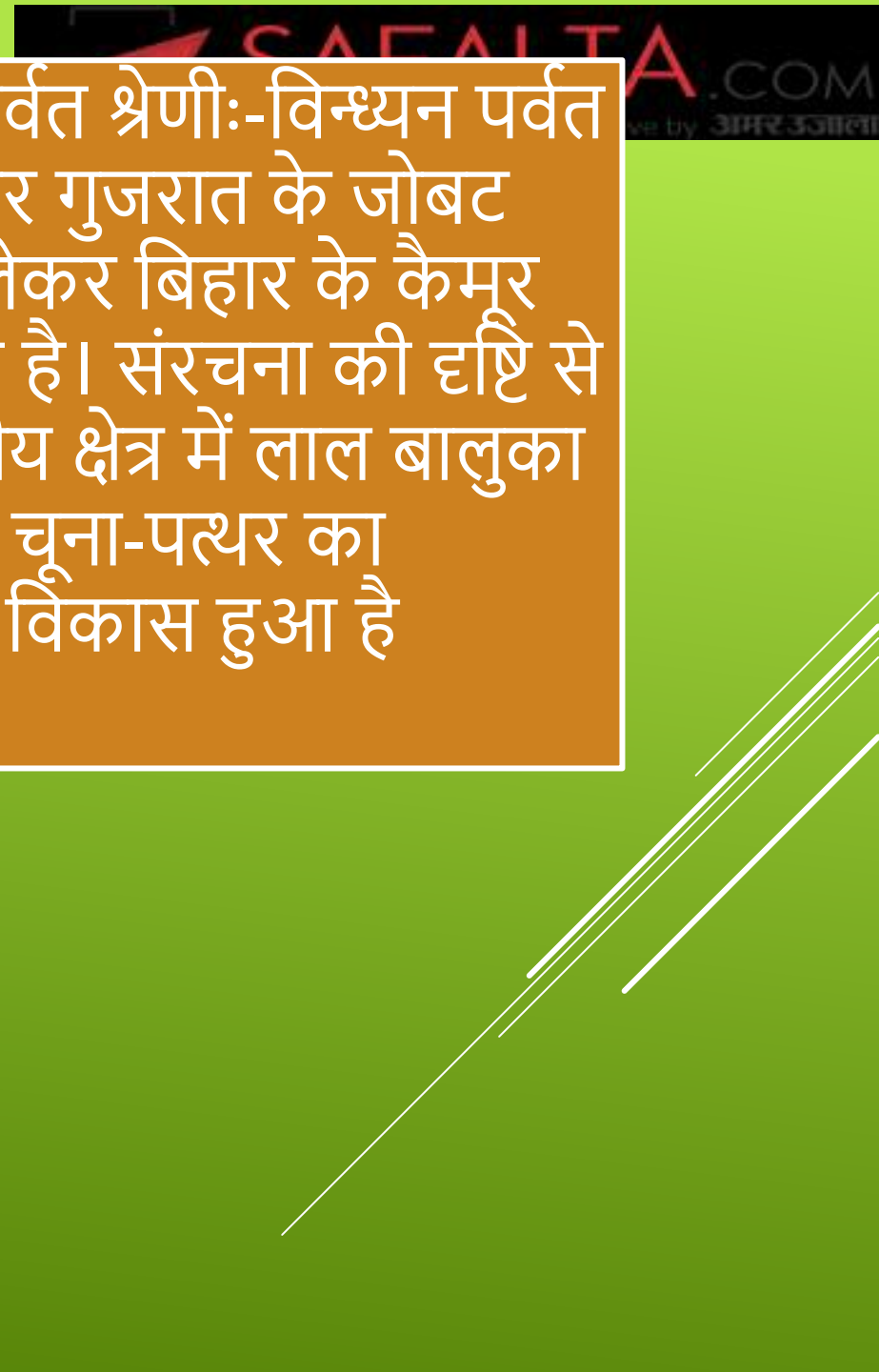
Bundelkhand Plateau: This is India's oldest structure made of granite and nice rocks, where red-soil has developed through their physical and chemical changes. The drainage area of Betwa and Cane tributaries of Yamuna and Rihand river tributaries of Son is related to this plateau.

बुंदेलखंड का पठार: यह ग्रेनाइट एवं नीस चट्टानों से निर्मित भारत की प्राचीनतम संरचना है, जहाँ इनके भौतिक एवं रासायनिक परिवर्तन के द्वारा लाल-मृदा का विकास हुआ है। यमुना की सहायक बेतवा एवं केन तथा सोन की सहायक रिहन्द नदी के अपवाह क्षेत्र का सम्बंध इसी पठार से है।



Vindhyan mountain range: -
Vindhyan mountain ranges extend from the Jobbat mountain in Gujarat to the Kaimur mountain in Bihar. In terms of structure, the highest growth of red sandstone and limestone has been done in this mountainous region.

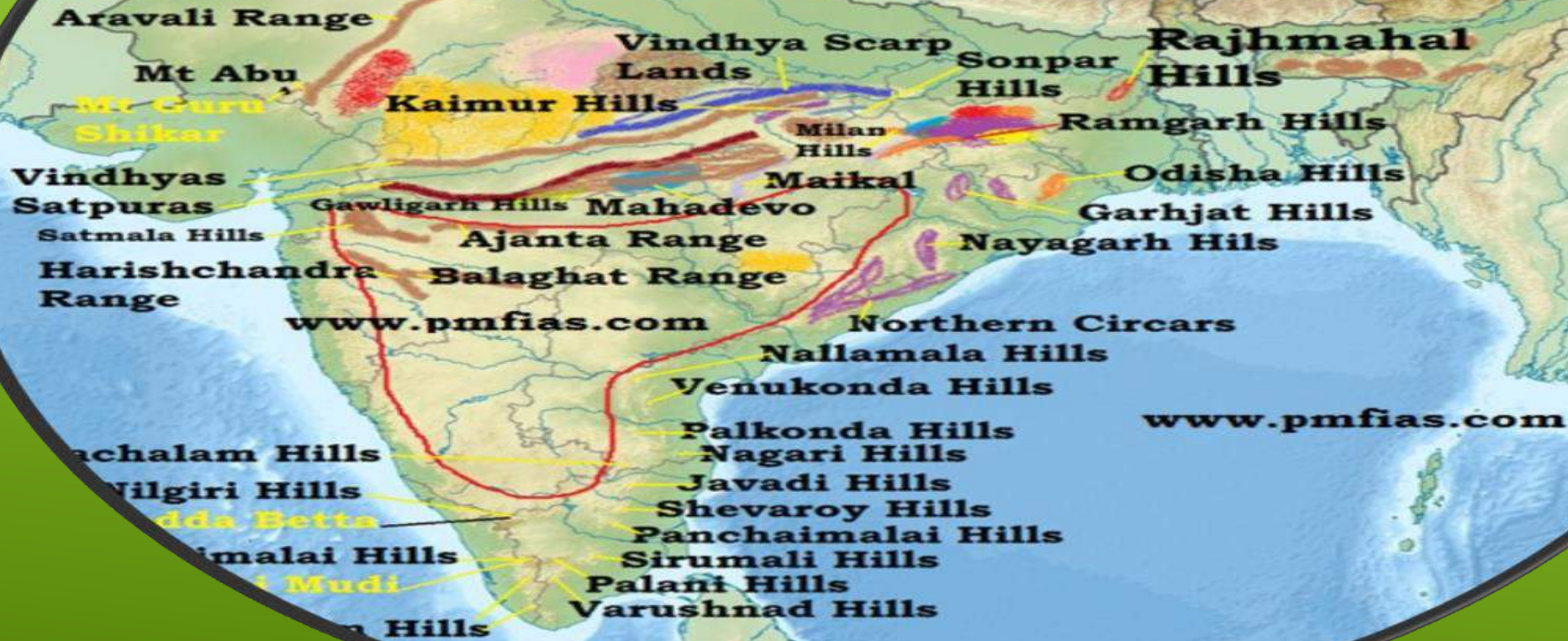
विन्ध्यन पर्वत श्रेणी:-विन्ध्यन पर्वत का विस्तार गुजरात के जोबट पर्वत से लेकर बिहार के कैमूर पर्वत तक है। संरचना की दृष्टि से इस पर्वतीय क्षेत्र में लाल बालुका पत्थर एवं चूना-पत्थर का सर्वाधिक विकास हुआ है



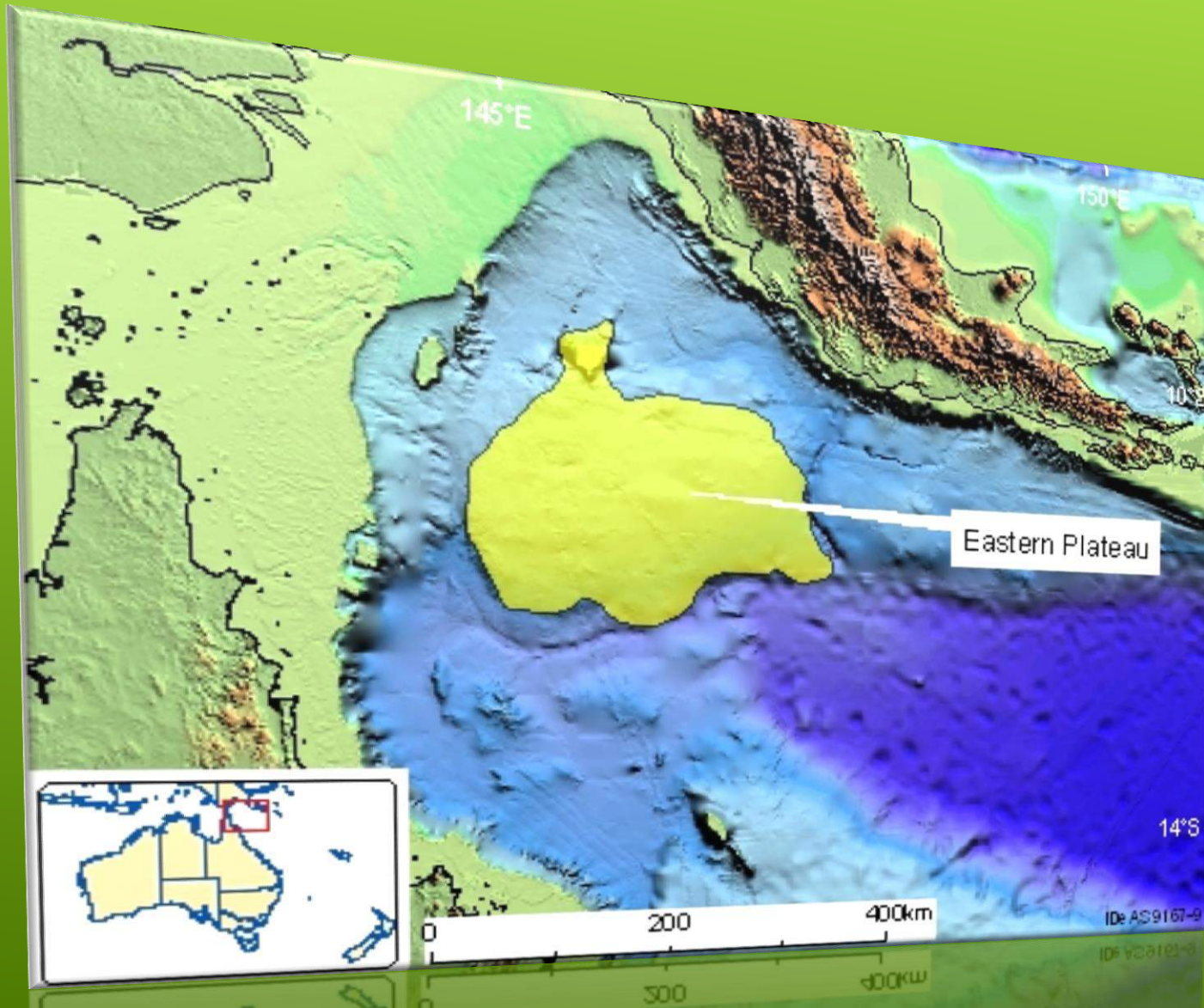
Hills of Peninsular India

www.pmfias.com

www.pmfias.com

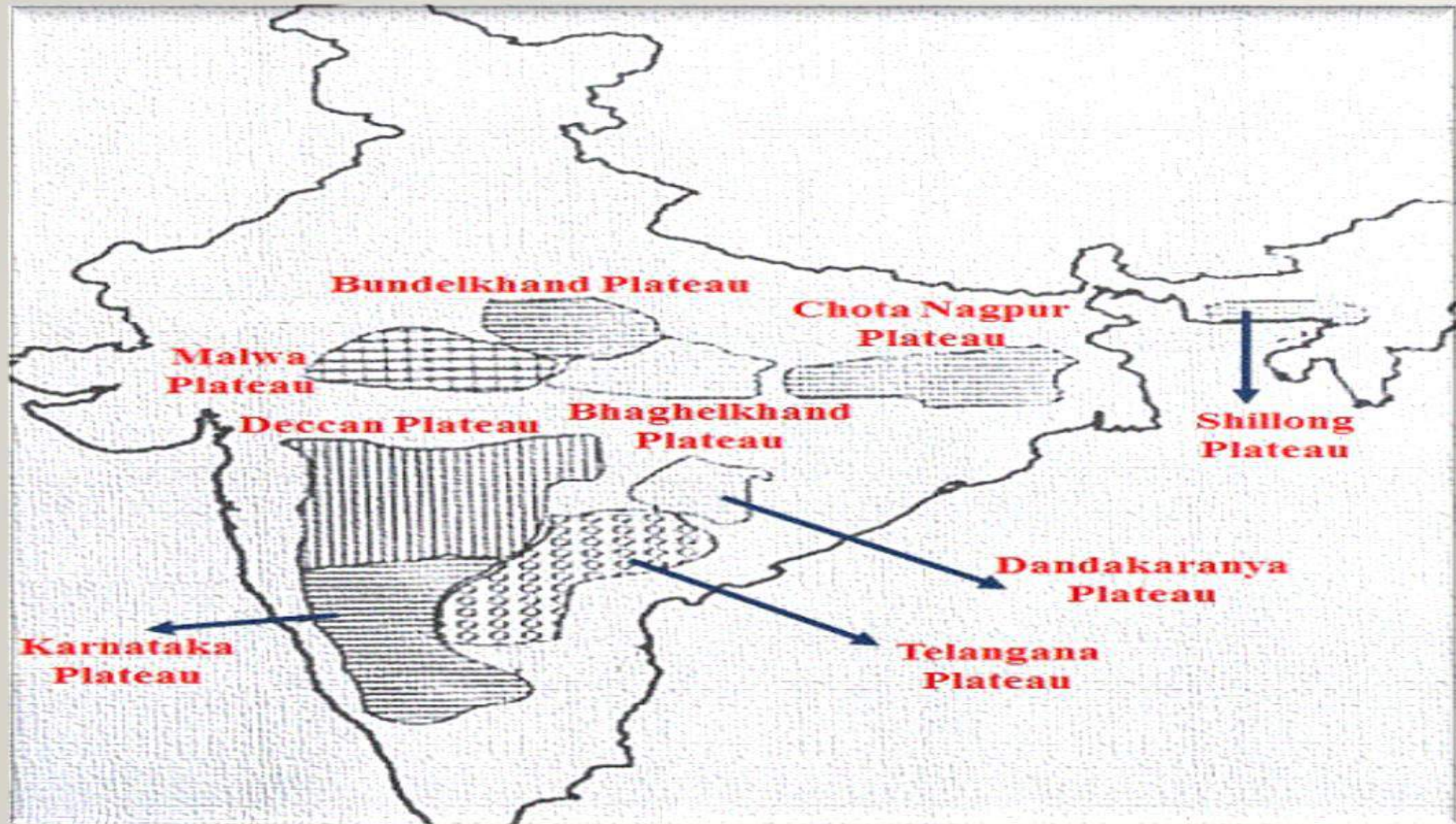


i vɪz Bɪ (Eastern Plateau) :-



Chotanagpur Plateau: - The Chotanagpur Plateau is spread over Jharkhand, West Bengal, Orissa and Chhattisgarh to the east of the central highlands. Based on geomorphological features, the Chota-Nagpur plateau is classified into three sub-regions, in which the plateau area in the north from Damodar river valley is called Hazari Bagh and the plateau area in the south is Ranchi's plateau. While the north-eastern plateau is called Rajmahal mountain.

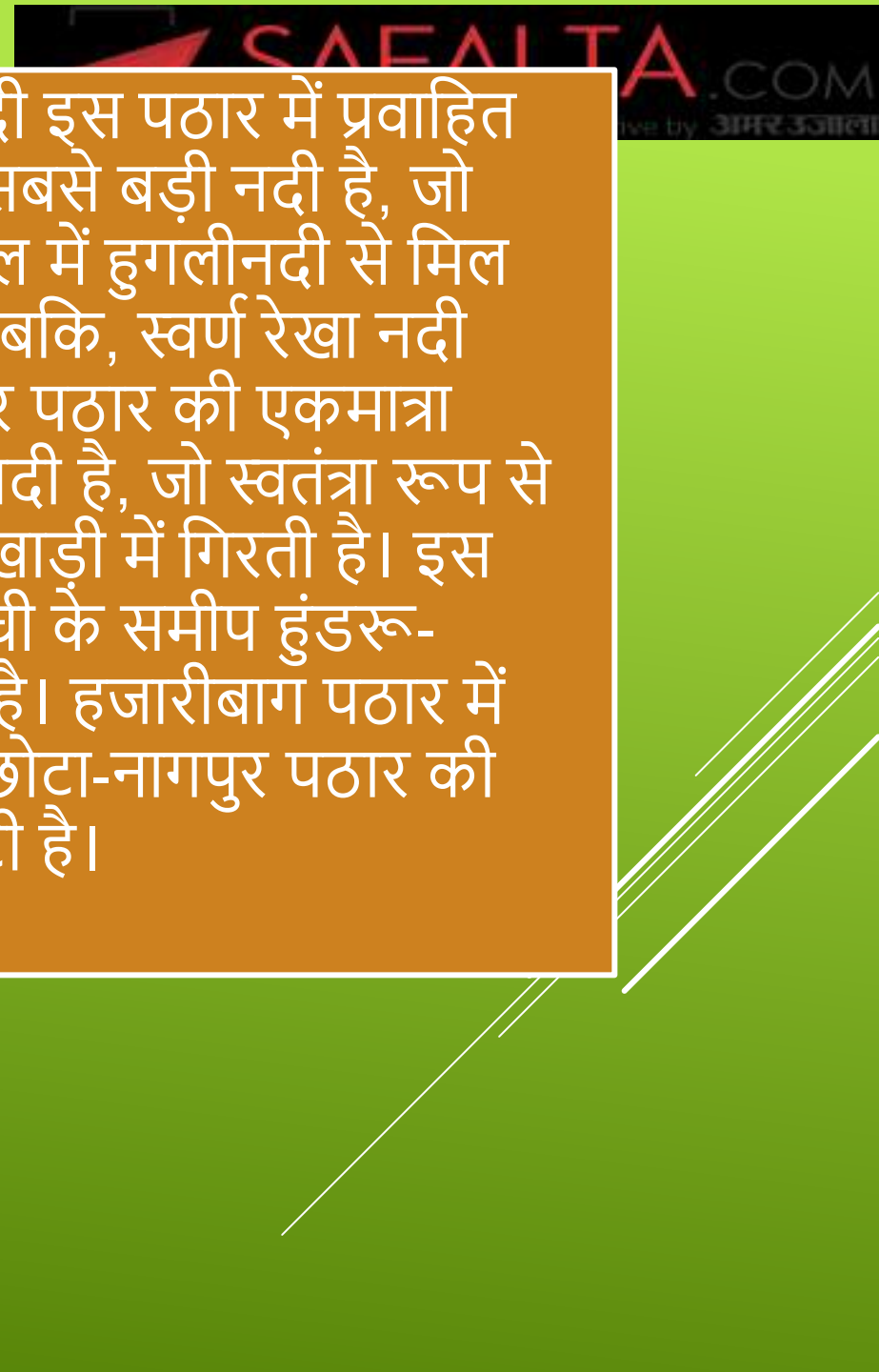
छोटानागपुर का पठार:- केन्द्रीय उच्च भूमि के पूरब में छोटानागपुर पठार का विस्तार झारखंड, प बंगाल, उड़ीसा एवं छत्तीसगढ़ में है। भू-आकृतिक विशेषताओं के आधार पर छोटा-नागपुर पठार को तीन उप-प्रदेशों में वर्गीकृत किया जाता है, जिसमें दामोदर नदी घाटी से उत्तर के पठारी क्षेत्र को हजारी बाग एवं दक्षिण के पठारी क्षेत्र को राँची का पठार कहते हैं। जबकि उत्तर-पूर्वी पठार को राजमहल पर्वत कहते हैं।





The Damodar River is the largest river flowing in this plateau, which joins the Hooghlandi in West Bengal. Whereas, Swarna Rekha river is the only important river in the Chotanagpur plateau, which flows freely into the Bay of Bengal. Hundru-waterfall is near Ranchi on this river. Parasnath is the highest peak of the Chota-Nagpur plateau in the Hazaribagh plateau.

दामोदर नदी इस पठार में प्रवाहित होने वाली सबसे बड़ी नदी है, जो पश्चिम-बंगाल में हुगलीनदी से मिल जाती है। जबकि, स्वर्ण रेखा नदी छोटानागपुर पठार की एकमात्र महत्वपूर्ण नदी है, जो स्वतंत्रा रूप से बंगाल की खाड़ी में गिरती है। इस नदी पर राँची के समीप हुंडरू-जलप्रपात है। हजारीबाग पठार में पारसनाथ छोटा-नागपुर पठार की सर्वोच्च चोटी है।



The island topography made of granite rocks in this plateau is called Pat-Bhumi. This structure found alone all over the world is the typical topographic structure of the peninsular plateau. The Rajmahal mountainous region of the Chota-Nagpur plateau has developed from the basaltic-rock-structure formed by volcanic action. Here Dalma Parvat is situated on the border of Jharkhand and West Bengal, which is an example of a volcano.

इस पठार में ग्रेनाइट चट्टानों से निर्मित टापू रूपी स्थलाकृति को पट-भूमि कहते हैं। संपूर्ण विश्व में अकेले पाए जाने वाली यह संरचना प्रायद्वीपीय पठार की विशिष्ट स्थलाकृतिक संरचना है। छोटा-नागपुर पठार के राजमहल पर्वतीय क्षेत्र का विकास ज्वालामुखी-क्रिया द्वारा निर्मित बैसाल्टी-चट्टान-संरचना से हुआ है। यहाँ झारखंड एवं पड़ोस बंगाल की सीमा पर डालमा पर्वत अवस्थित है, जो ज्वालामुखी-पर्वत का उदाहरण है।

Chota-Nagpur plateau region is the most important region of India in terms of mineral resources, Damodar river valley is the most important area of India in terms of coal reserves. Therefore, this region is also known as the Ruhr of India.

खनिज संसाधनों की दृष्टि से छोटा-नागपुर पठारी क्षेत्रा भारत का सर्वाधिक महत्वपूर्ण क्षेत्रा है, यहाँ की दामोदर नदी घाटी कोयला-भंडार की दृष्टि से भारत का सर्वाधिक महत्वपूर्ण क्षेत्रा है। इसलिए इस क्षेत्रा को 'रूहर ऑफ़ इंडिया' भी कहते हैं।

HUNDROO WATERFALL



Chhattisgarh Basin: - The structural basin formed in the Eastern Plateau region is called Chhattisgarh Basin, which is located in the state of Chhattisgarh and Orissa. Mahanadi flows through this basin. This basin is important for the Gondwana structure formed from sedimentary rock. Therefore, the importance of this area is more in terms of coal reserves.

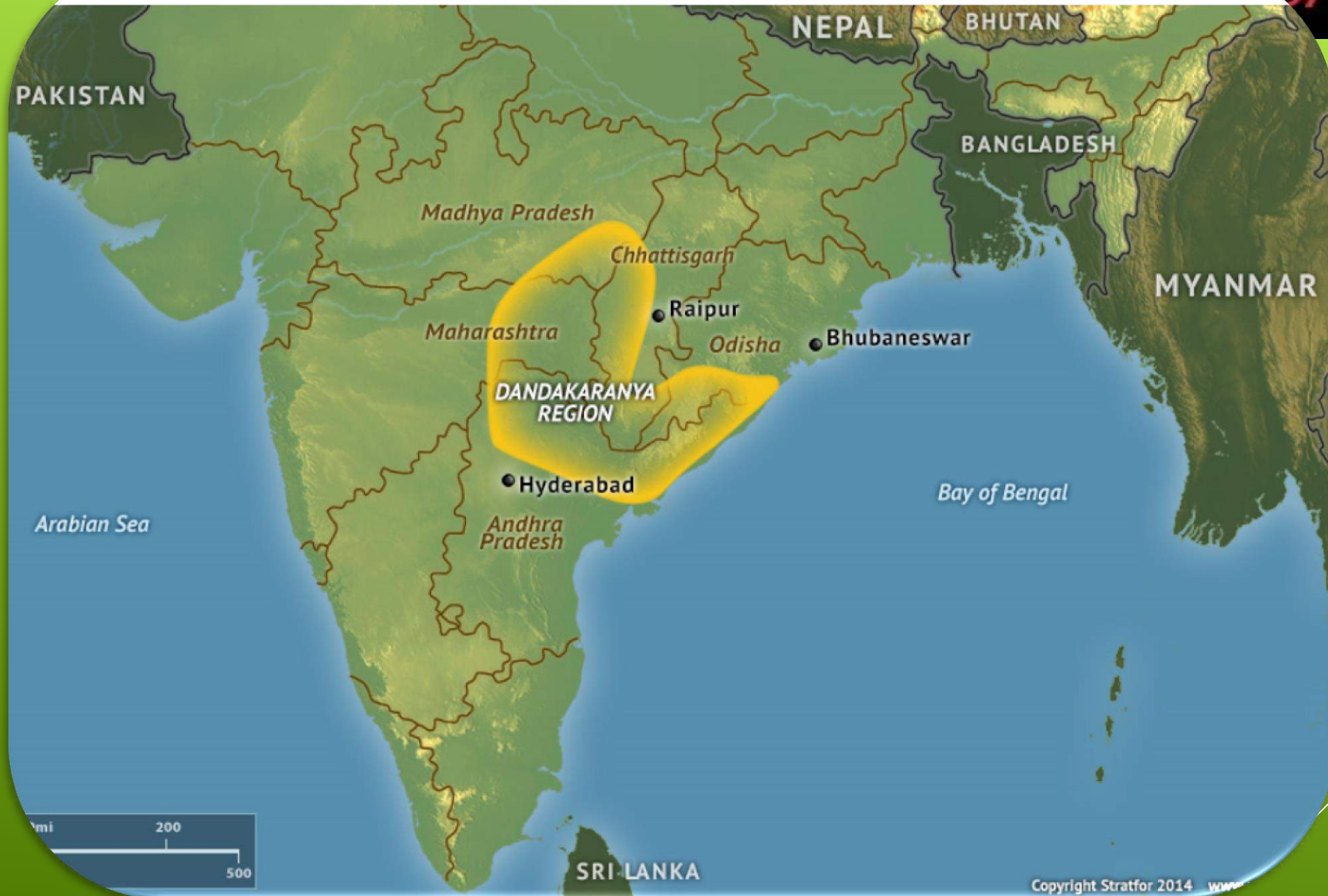
छत्तीसगढ़ बेसिन:-पूर्वी पठारी प्रदेश में निर्मित संरचनात्मक बेसिन को छत्तीसगढ़ बेसिन कहते हैं, जिसका बिस्तार छत्तीसगढ़ एवं उड़ीसा राज्य में है। इस बेसिन से महानदी प्रवाहित होती है। यह बेसिन अवसादी चट्टान से निर्मित गोंडवाना संरचना के लिए महत्वपूर्ण है। इसलिए कोयला-भंडार की दृष्टि को इस क्षेत्र का महत्वअधिक है।



Dandakaranya Plateau: -
Dandakaranya region of Eastern Plateau is spread in Chhattisgarh, Odisha, Andhra Pradesh and Maharashtra. Badravati, a tributary of the Godavari, originates from this plateau.

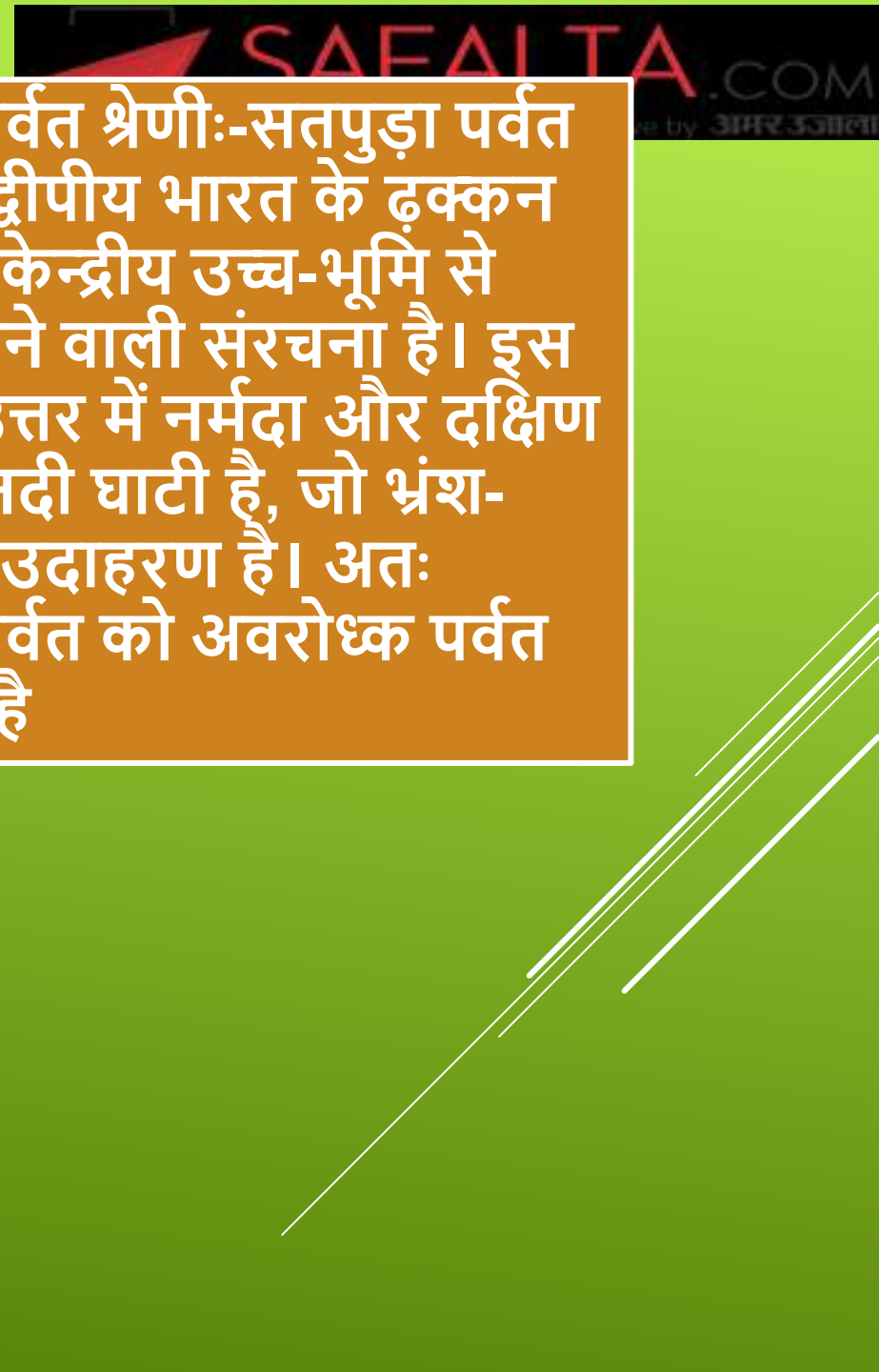
दण्डकारण्य का पठार:-पूर्वी पठार के दंडकारण्य प्रदेश का विस्तार छत्तीसगढ़, उड़ीसा, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र में है। गोदावरी की सहायक नदी बद्रावती इस पठार से निकलती है।

INDIA'S DANDAKARANYA REGION



Satpura mountain range: - The Satpura mountain range is a structure separating the hilly plateau of peninsular India from the central high-ground. This mountain has Narmada in the north and Tapti river valley in the south, which is an example of corruption. Therefore, Satpura mountain is also called Barrack mountain.

सतपुड़ा पर्वत श्रेणी:-सतपुड़ा पर्वत श्रेणी प्रायद्वीपीय भारत के ढक्कन पठार को केन्द्रीय उच्च-भूमि से अलग करने वाली संरचना है। इस पर्वत के उत्तर में नर्मदा और दक्षिण में ताप्ती नदी घाटी है, जो भ्रंश-घाटी का उदाहरण है। अतः सतपुड़ा पर्वत को अवरोधक पर्वत भी कहते हैं



The Betul plateau on the border of Maharashtra and Madhya Pradesh and the Gwaligad mountain in Maharashtra are related to the Satpura mountain. Dhupgarh is the highest peak of Satpura mountain in Panchmarhi district on Mahadev mountain. Amarkantak is the highest mountainous region of the Maikal mountain range, from which the Narmada and Son rivers originate. The 'Maidan Range' of Maikal Mountains connects the Chhattisgarh Basin to the Satpura Mountains.

महाराष्ट्र एवं मध्य प्रदेश की सीमा पर बैतूल पठार और महाराष्ट्र में ग्वालीगढ़ पर्वत सतपुड़ा पर्वत से सम्बन्धित संरचना है। महादेव पर्वत पर पंचमढ़ी जिला में धूपगढ़ सतपुड़ा पर्वत की सर्वोच्च चोटी है। अमरकंटक मैकाल पर्वत श्रेणी का सबसे ऊँचा पर्वतीय क्षेत्र है, जहाँ से नर्मदा एवं सोन नदी निकलती है। मैकाल पर्वत की 'मैदान श्रेणी' छत्तीसगढ़ बेसिन को सतपुड़ा पर्वत से जोड़ता है।



A wide-angle photograph of the Narmada River flowing through a deep, narrow gorge. The river is a light brown color, indicating it carries a lot of sediment. The gorge walls are steep and rocky, with some green vegetation on the upper slopes. The sky is overcast and grey. The image has rounded corners and a thin white border.

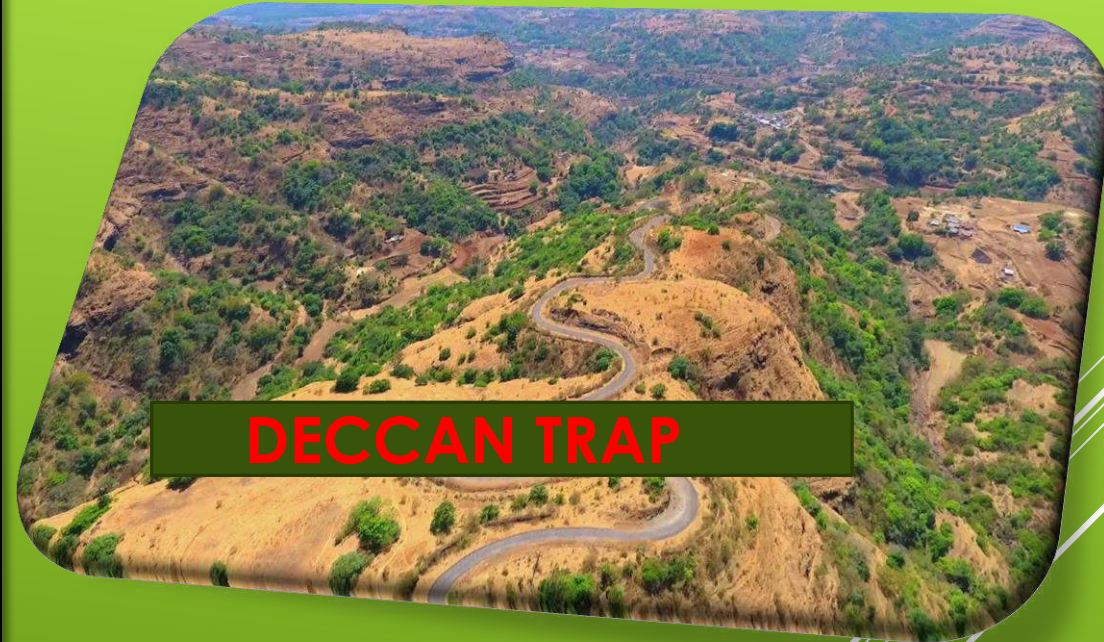
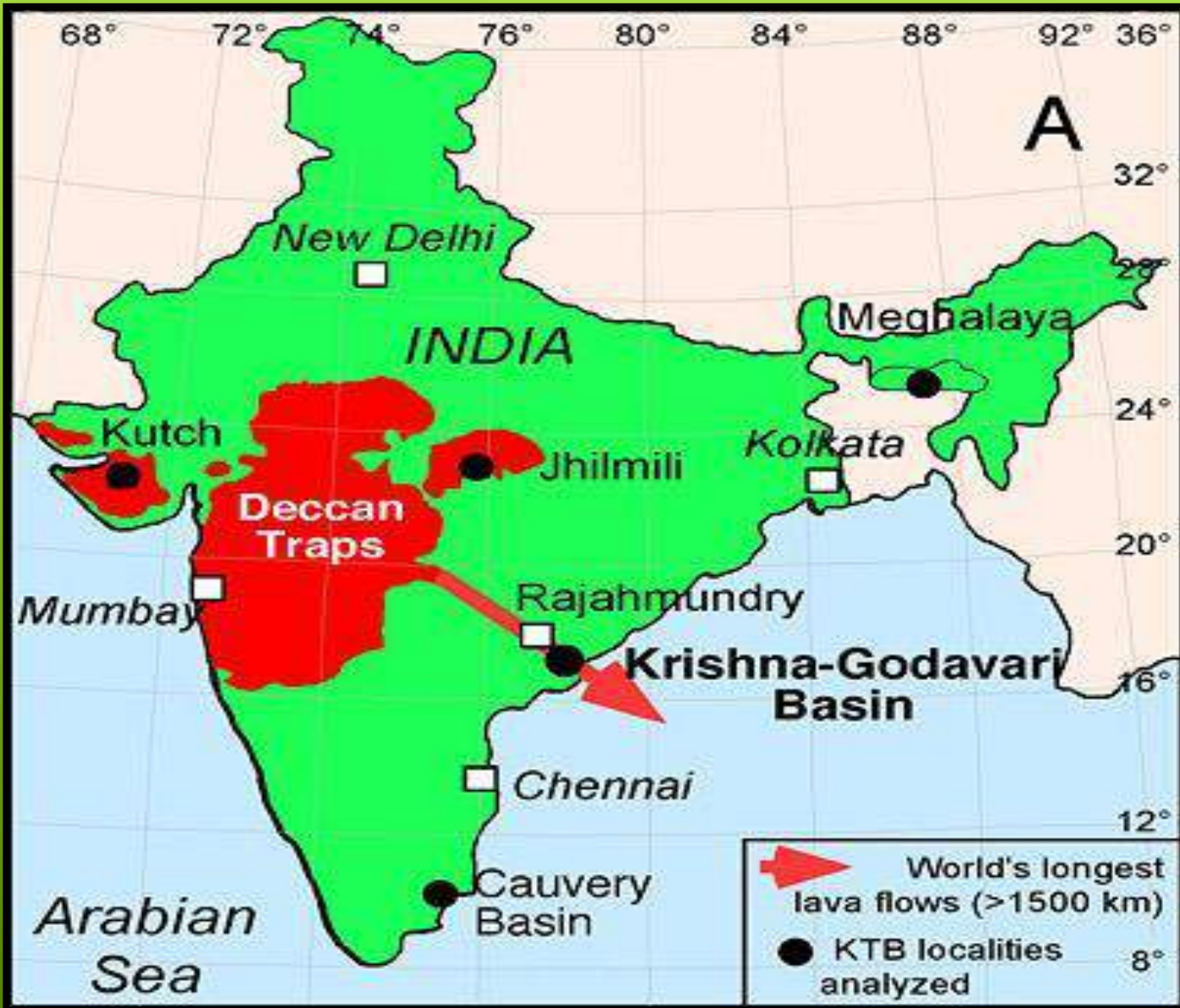
Vindhya Range

Satpura Range

**Narmada
River**

Deccan Trap (staircase rocky structure) -
The basalt rock structure in the Deccan Plateau is related to the Deccan Trap. Basalt rock has developed black soil in this area which is important for cotton and sugarcane agriculture. Ajanta, Harishchandra and Balaghat are the highest peaks of the Deccan Trap from the Western Ghats. The Thalghat of the Deccan Trap (and Nashik to Mumbai) and Bhorghat (towards Khandala-Lonavala) are important passes connecting Mumbai to Pune. The Godavari river originating from the Trimbak plateau is the most important river in the Deccan Trap. While the Krishna River originating from Mahabaleshwar enters the Karnataka Plateau via the Deccan Trap.

दक्कन ट्रैप (सीढ़ीनुमा चट्टानी संरचना)- दक्कन पठार में बैसाल्ट चट्टान से निर्मित संरचना का सम्बन्ध दक्कन ट्रैप से है। बैसाल्ट चट्टान से इस क्षेत्र में काली मृदा का विकास हुआ है जो कपास एवं गन्ना की कृषि के लिए महत्वपूर्ण है। अजन्ता, हरिश्चन्द्र एवं बालाघाट पश्चिमी घाट से दक्कन ट्रैप की सर्वोच्च चोटी है। दक्कन ट्रैप का थालघाट(थाने की ओर मुम्बई को नासिक) एवं भोरघाट (खंडाला-लोनावाला की ओर) मुम्बई को पुणे से जोड़ने की महत्वपूर्ण दर्रे हैं। त्रियम्बक पठार से निकलने वाली गोदावरी नदी दक्कन ट्रैप की सर्वाधिक महत्वपूर्ण नदी है। जबकि महाबलेश्वर से निकलने वाली कृष्णा नदी दक्कन ट्रैप से होते हुए कर्नाटक पठार से प्रवेश करती है।



Karnataka Plateau: - In Karnataka Plateau, the relatively high plateau attached to the Western Ghats is called 'Malnad', while the eastern region from Malnad is called 'Maidan'. The Bababundan mountain region is the highest peak of the Western Ghats in the Malanad plateau.

There is a 'Jog' waterfall on the 'Sharavati' river falling in the Arabian Sea near Kudremukh, where the development of industries in the Malnad region has had a favorable impact after the Mahatma Gandhi hydroelectric project was started

कर्नाटक पठार:-कर्नाटक पठार में जिसमें पश्चिमी घाट से संलग्न अपेक्षाकृत ऊँचे पठार को 'मलनाड' कहते हैं, जबकि मलनाड से पूर्वी क्षेत्र को 'मैदान' कहते हैं। बाबाबूंदन पर्वतीय क्षेत्र मलानाड पठार में पश्चिमी-घाट की सर्वोच्च चोटी है।

कुद्रेमुख के समीप अरब-सागर में गिरने वाली 'शरावती' नदी पर 'जोग' जलप्रपात है, जहाँ महात्मा गांधी जल-विद्युत परियोजना को प्रारंभ किए जाने के बाद मलनाड-क्षेत्र में उद्योगों के विकास पर अनुकूल प्रभाव पड़ा है।



Regions Of Karnataka





**MAHATMA GHANDI JAL
VIDHUT PARIYOJANA**

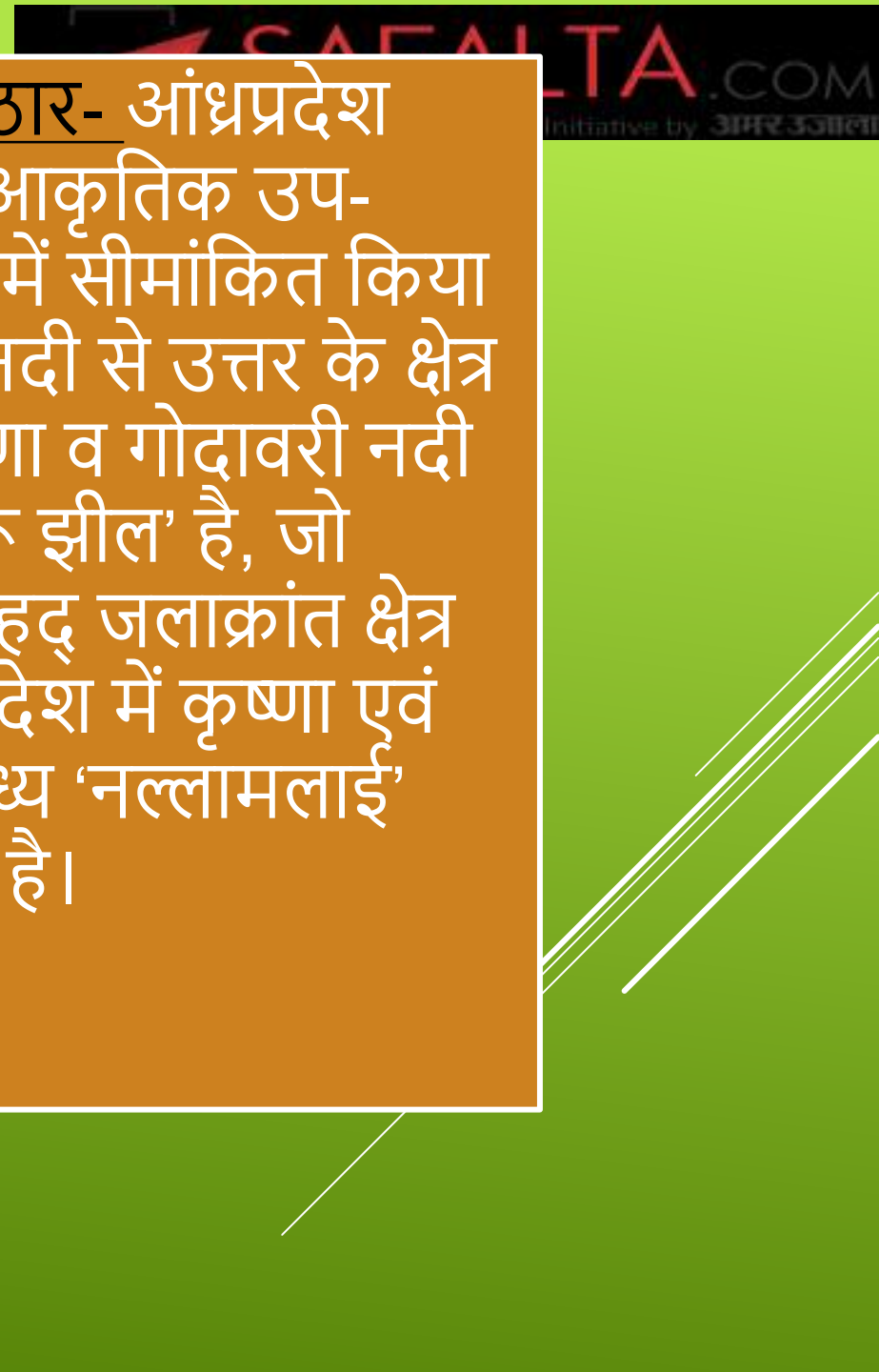


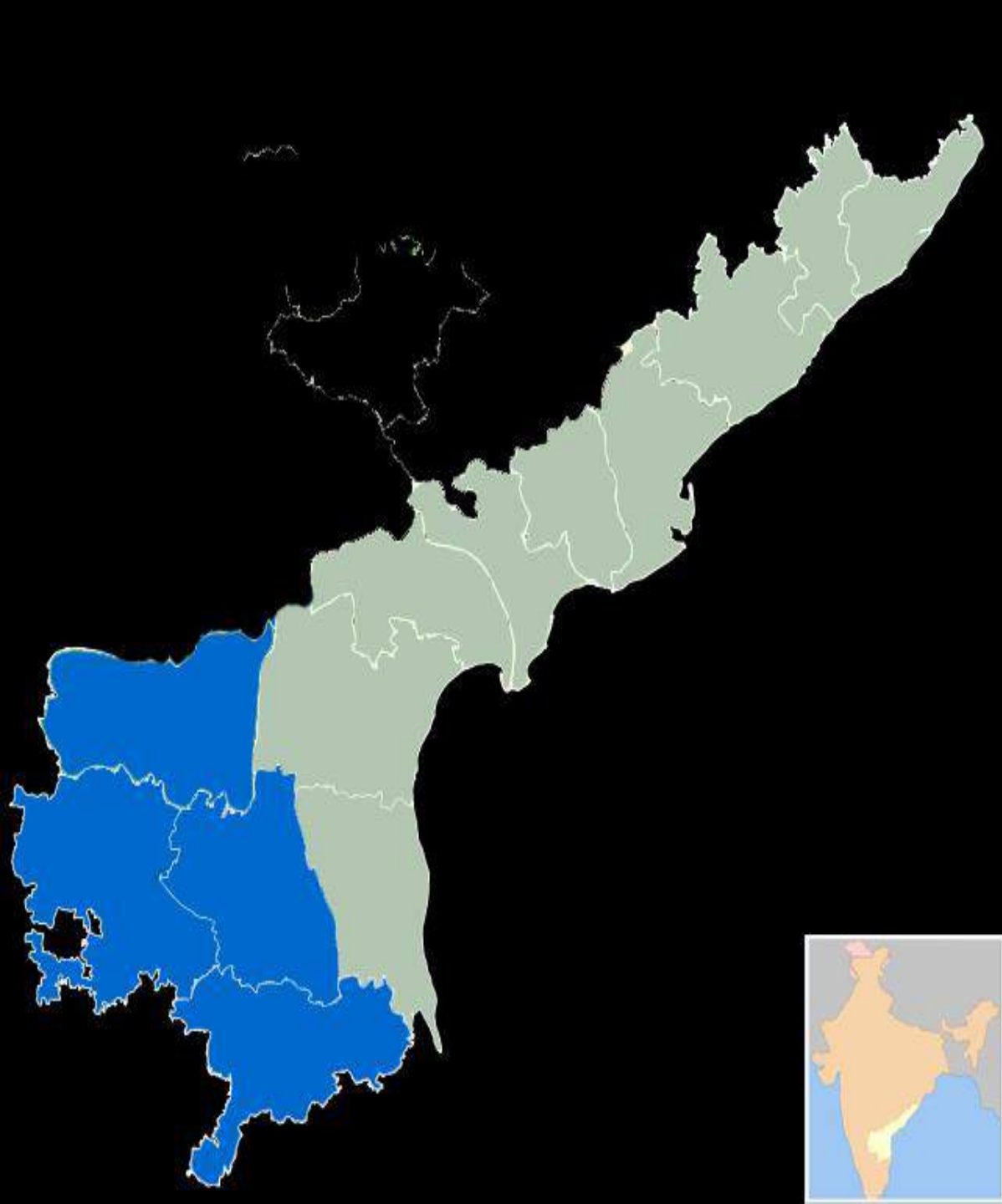
Andhra Pradesh Plateau -

Andhra Pradesh Plateau is demarcated into two geomorphic sub-natural regions. The area north of the Krishna river is the Kolleru lake between the Telangana Krishna and Godavari rivers, which is a large water-logged area of Asia. In the Rayalaseema region, there is an extension of 'Nallamalai' mountain between Krishna and Penneru rivers.

आंध्रप्रदेश का पठार- आंध्रप्रदेश

पठार को दो भू-आकृतिक उप-प्राकृतिक प्रदेशों में सीमांकित किया जाता है। कृष्णा नदी से उत्तर के क्षेत्र को तेलंगना कृष्णा व गोदावरी नदी के मध्य 'कोल्लेरू झील' है, जो एशिया का को वृहद् जलाक्रांत क्षेत्र है। रायलसीमा प्रदेश में कृष्णा एवं पेन्नैरू नदी के मध्य 'नल्लामलाई' पर्वत का विस्तार है।





நீலகிரி மலை (Southern Mountain Region)

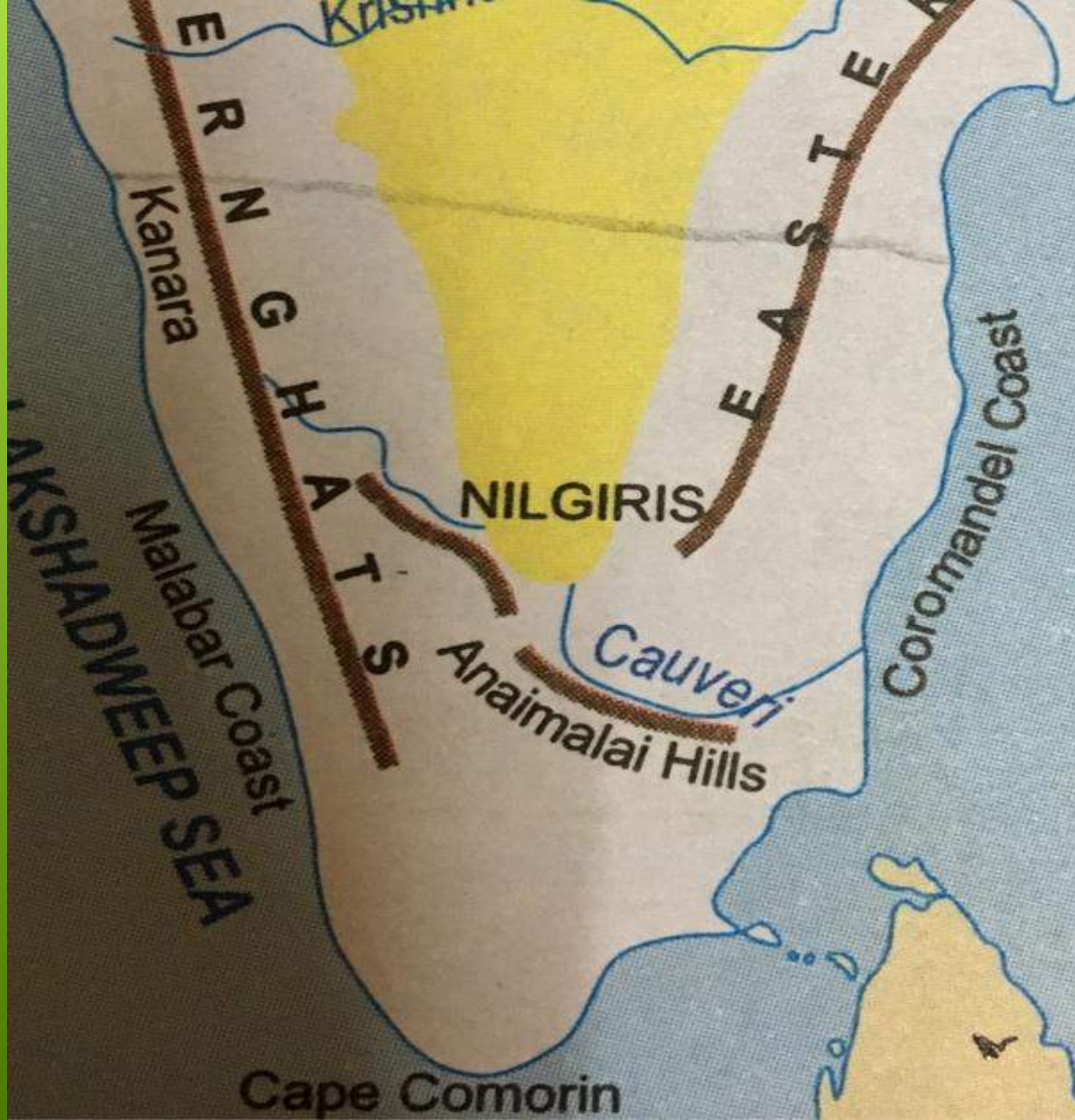


www.doondencedreamers.com



Kerala and Tamil Nadu have a wide range of Nilgiri, Annamalai and Cardamom mountain regions under the southern mountain region. Palani Parvat (located to the east of Annamalarai) in Tamil Nadu is also related to this region. The Eastern and Western Ghats meet in the Nilgiri Hills region. Dodabetta (2636) is the highest peak of Nilgiri, while the second highest peak is Makurti.

दक्षिणी पर्वतीय क्षेत्र के अन्तर्गत केरल एवं तमिलनाडु में विस्तृत नीलगिरि, अन्नामलाई एवं कार्डामम पर्वतीय क्षेत्र आते हैं। तमिलनाडु के पालनी पर्वत (अन्नामलाई के पूरब में स्थित) का सम्बंध भी इसी क्षेत्र से है। नीलगिरि पर्वतीय क्षेत्र में पूर्वी एवं पश्चिमी घाट आपस में मिलते हैं। डोडाबेटा (2636) नीलगिरि की सर्वोच्च चोटी है, जबकि दूसरी सर्वोच्च चोटी माकुर्ती है।



The Palghat Pass separates the Nilgiris from the Annamalai Mountains, while connecting Coimbatore in Tamil Nadu to Kochi in Kerala. Anaimudi (2695} is the highest peak of Annamalai, which is also the highest peak in South India. The Periyar river valley originating from Mount Annamalai is also known as the 'Quiet Valley', which is an important part of India in terms of 'bio-diversity'. Area

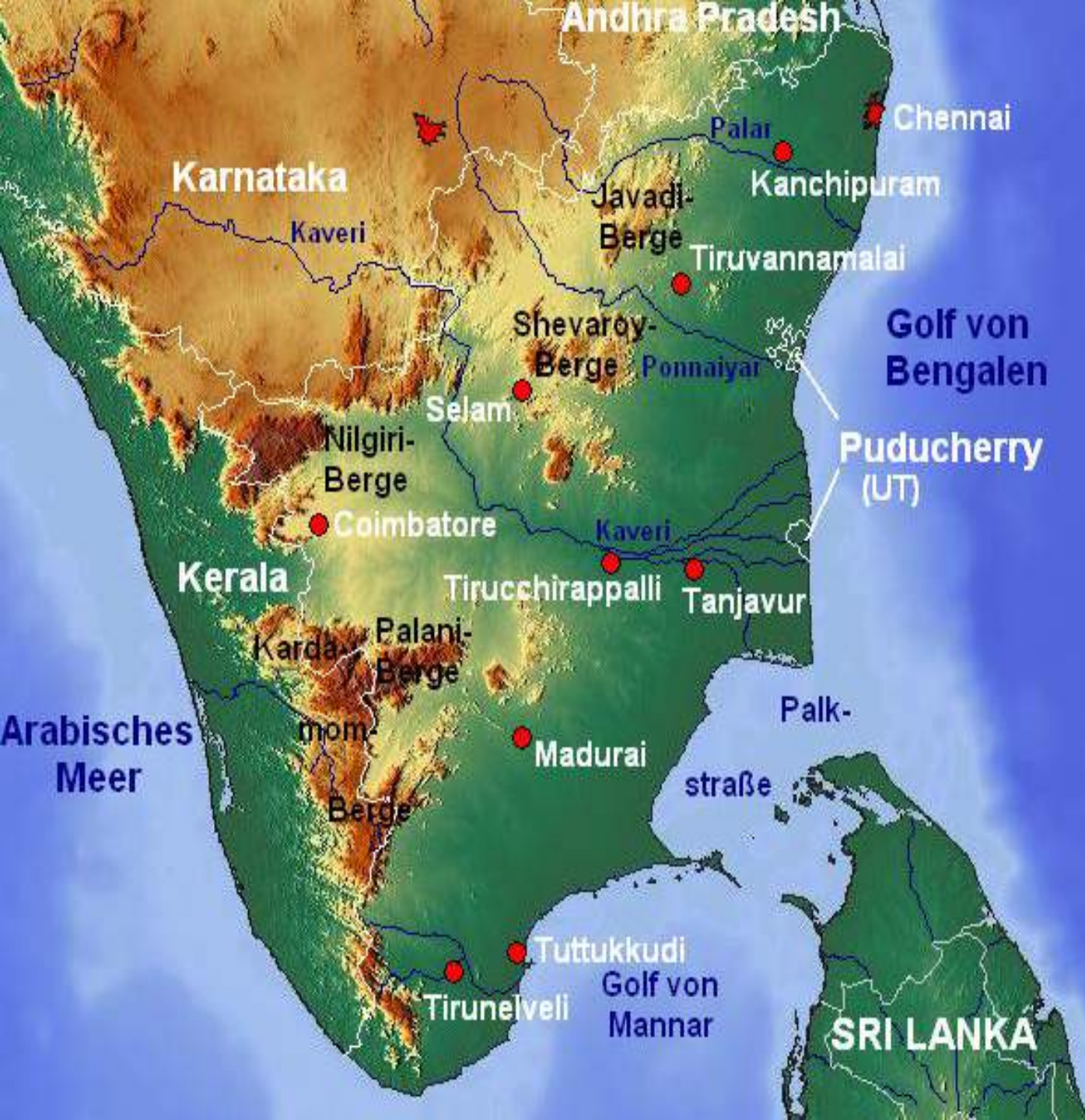
पालघाट दर्रा नीलगिरि को अन्नामलाई पर्वत से अलग करता है, जबकि तमिलनाडु के कोयंबटूर को केरल के कोच्ची से जोड़ता है। अनाईमुड़ी (2695} अन्नामलाई की सर्वोच्च चोटी है, जो दक्षिण भारत की सर्वोच्च चोटी भी है। अन्नामलाई पर्वत से निकलने वाली पेरियार नदी की घाटी को 'शांत घाटी' भी कहते हैं, जो 'जैव-विविधता' की दृष्टि से भारत का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है।

SILENT VALLEY & SINHARAJA

RELATIVE LOCATION IN THE WESTERN GHATS/SRI LANKA BIODIVERSITY HOTSPOT



MAP PROCESSING & DESIGN: Ian Lockwood
HIGH RANGE PHOTOGRAPHY:
30 m SRTM SOURCE (5-wise shade): NASA/USGS via IWHI
BOUNDARIES: Western Ghats Biodiversity Portal & ATREE
BATHYMETRY: ESRI ArcGIS Online
SOFTWARE: ESRI ArcView 10.4
DATUM: WGS 84
DATE: 24 April 2016

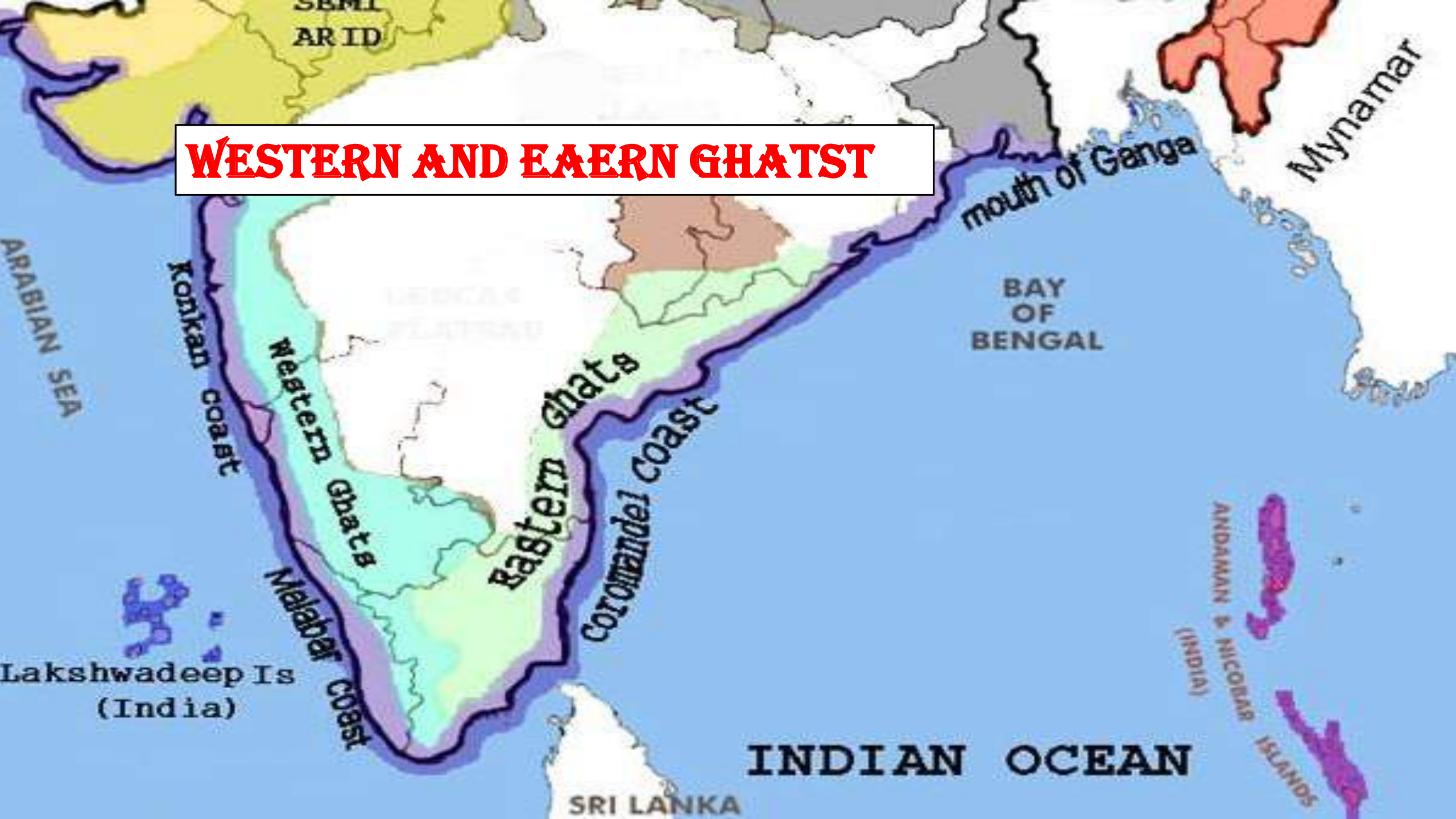


The Shenkota Pass separates the Annamalai Mountains from the Kadmin Mountains, while connecting Thiruvananthapuram in Kerala with Madurai in Tamil Nadu. Kadimam is the southernmost mountain region of peninsular India

शेनकोटा दर्रा अन्नामलाई पर्वत को काडमिन पर्वत से अलग करता है, जबकि केरल के तिरवनंतपुरम को तमिलनाडु के मदुरैई से जोड़ता है। काडीमम प्रायद्वीपीय भारत का सुदूर दक्षिणी पर्वतीय क्षेत्र है।



WESTERN AND EASTERN GHATS



Geographical spread: Western Peninsula is an extension of the Western Ghats from south of Tapti river basin to Cape Comorin (Kanyakumari) in peninsular India. The region from south to Goa of the Tapti River Basin is called the Northern Sahamadri and the western edge of the southern mountain region is called the Southern Sasthadri



Nasik
Mumbai
Bombay
Kalyan
Pune
Poona
Ahmadnagar
Nanded
Latur
Bidar
Sholapur
Gulbarga
Kolhapur
Bijapur
Raichur
Panaji
Madgaon

Sayadri

Kudremukh

Talacauvery

Location of
the
Western Ghats

Nilgiri

Anamalai

Periyar

Agasthyamalai

Thiruvananthapuram
Trivandrum

Gulf of
Mannar

SRI LANKA

Batticaloa

Kandy

Chennai
Madras

Pondicherry

Salem

Coimbatore

Madurai

Jaffna

Mannar

Kozhikode
Calicut

Cochin

Mannar

Kandy

Nellore

Bellary

Kurnool

W

I

W

I

W

I

W

I

W

I

W

I

W

I

W

I

W

I

W

I

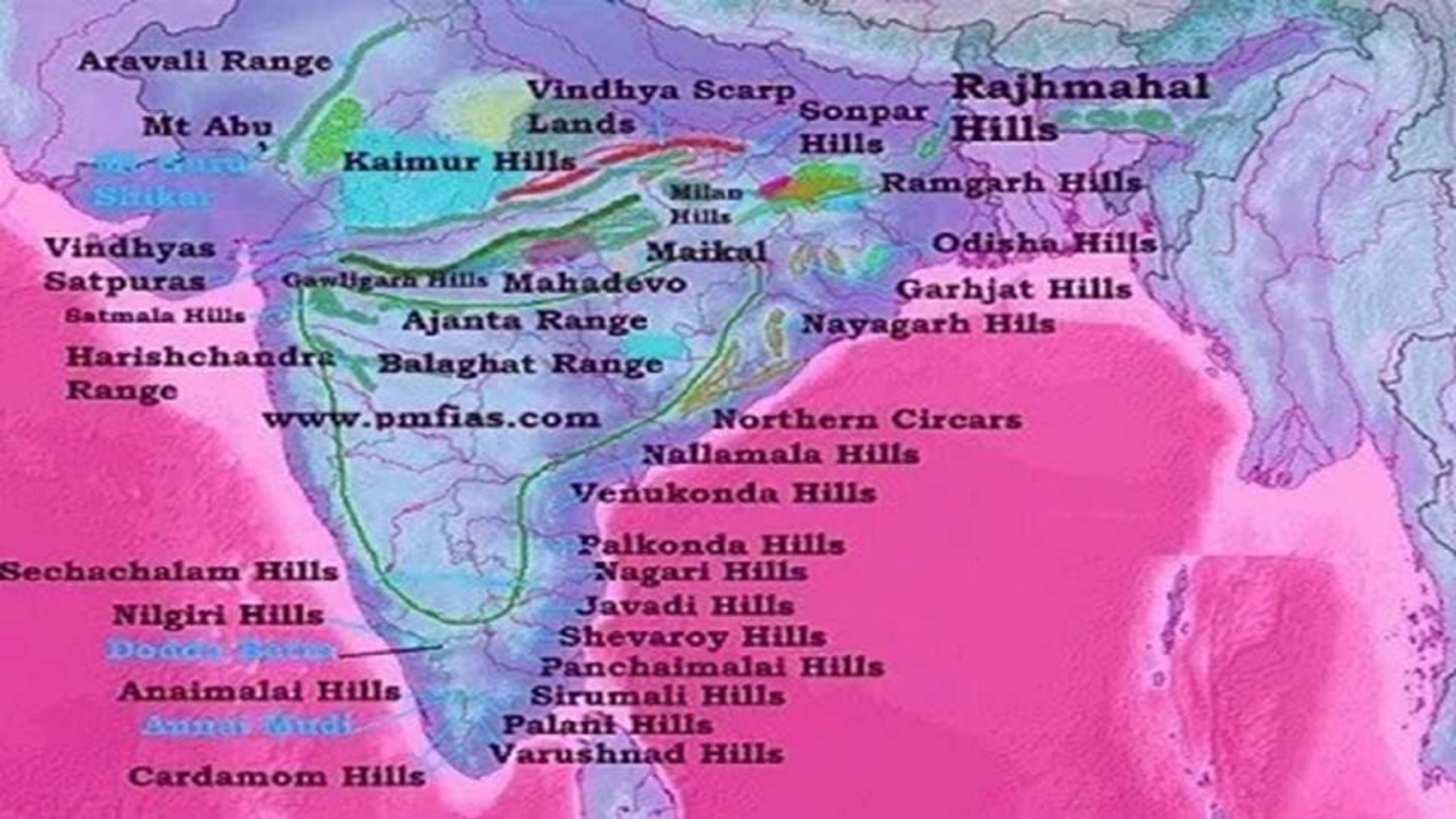
W

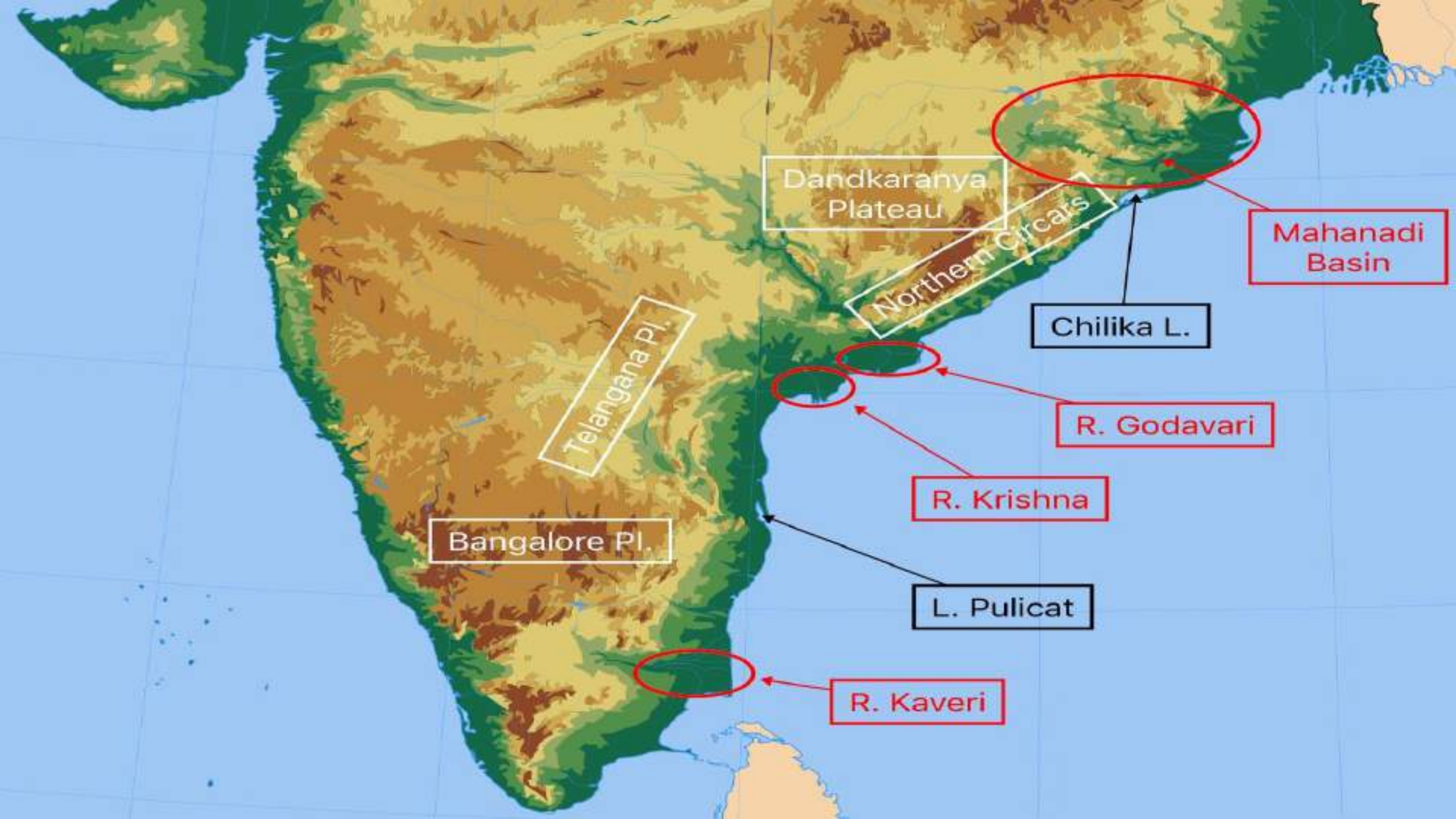
I

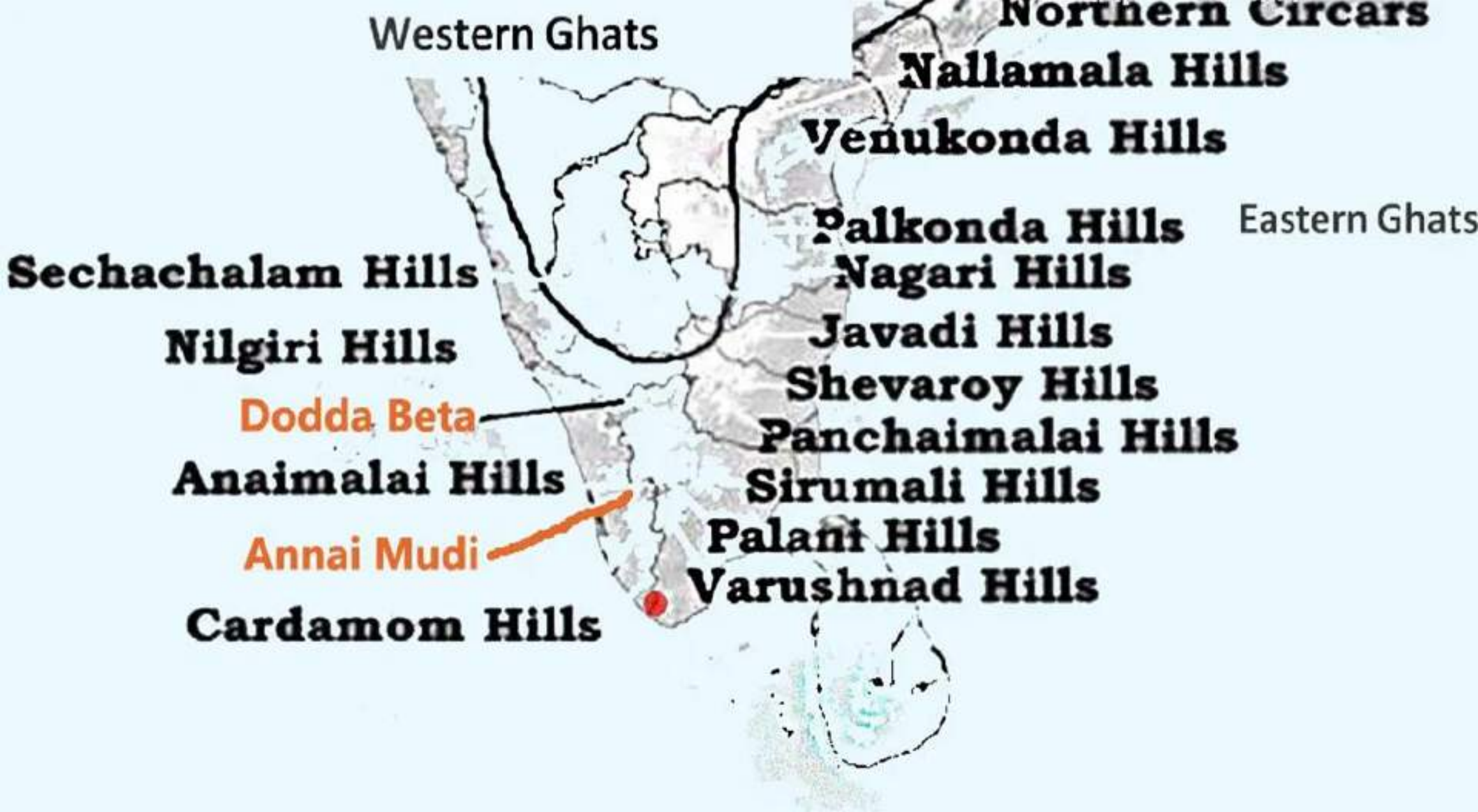
W

Kalasubai of the Harishchandra mountain range in Maharashtra (1646) is the highest peak of northern, Sahyadri while Kudremukh of Bababudan mountain in Karnataka (1892) Sahyadri means the highest peak of Western Ghats.

महाराष्ट्र में हरिश्चन्द्र पर्वत श्रेणी की कलसुबाई (1646) उत्तरी सह्याद्री की सर्वोच्च चोटी है, जबकि कर्नाटक के बाबाबूदन पर्वत की कुद्रेमुख (1892) सह्याद्री अर्थात् पश्चिमी घाट की सर्वोच्च चोटी है।







The Eastern Ghats extend from the Mahanadi, the Swarnarekha River to the Godabari River Basin as the Northern Circars Whereas Nallamalai, Valikonda, Palkonda, Javadi HILL, Shevaraya and Palanali are mountainous regions of the Eastern Ghats from the Krishna River basin to Kanyakumari in the south.

वहीं पूर्वी घाट का विस्तार महानदी, स्वर्णरेखा नदी से लेकर गोदावरी नदी बेसिन तक उत्तरी सरकार के रूप में हैं। जबकि, कृष्णा नदी बेसिन से दक्षिण में कन्याकुमारी तक नल्लामलाई, वैलीकोण्डा, पालकोण्डा, जावड़ी पहाड़ी, शेवराय एवं पालनली पूर्वी घाट के पर्वतीय क्षेत्र हैं।

उत्तरी सरकार में विशाखापट्टनम उच्च भूमि की ऊँचाई अधिक है, जहाँ अरोया कोण्डा (1630) पूर्वी घाट की सर्वोच्च चोटी है, जबकि उड़ीसा में महेन्द्रगिरि (1501) दूसरी सबसे ऊँची चोटी है।

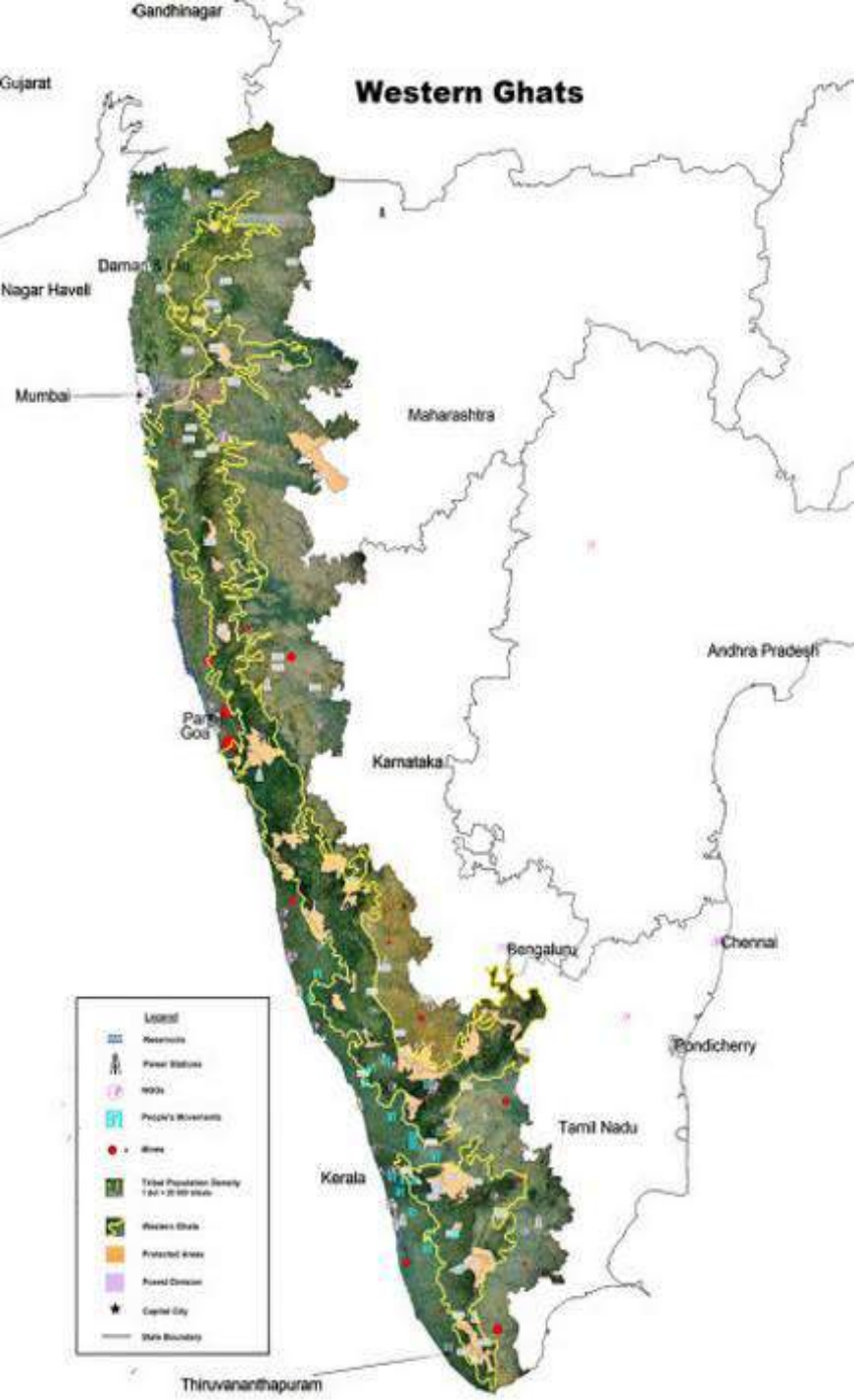
The Visakhapatnam high ground is elevated in the northern Circars, with Aroya Konda (1630) being the highest peak of the Eastern Ghats, while Mahendra giri (1501) is the second highest peak in Orissa.

उच्चावच ; ऊँचाई एवं ढाल प्रवणता:- पश्चिमी घाट के तटवर्ती ढाल की तीव्रता अधिक होने के कारण यहाँ से अरब-सागर में गिरने वाली-नदियाँ अधिक ऊँचाई से जल-प्रपात के रूप में गिरती है। जबकि, पूर्वी घाट के तटवर्ती ढाल की तीव्रता कम होने के कारण नदियों के वेग में कमी आ जाती है, जिससे यहाँ नदियों के द्वारा लाए गए अवसदों का निक्षेपण अधिक होता है।

Elevation and elevation gradient:- Due to the high intensity of the onshore gradient of the Western Ghats, the rivers falling in the Arabian Sea from here fall as high as the waterfall. Whereas, due to decreasing intensity of the onshore gradient of the Eastern Ghats, the velocity of the rivers decreases, leading to the deposition of the sediments brought by the rivers here; It is more.

जलवायु: पश्चिमी घाट के तटवर्ती ढालों पर अपेक्षाकृत अधिक वर्षा होने के साथ ग्रीष्म ऋतु के समय शीत-ऋतु की अपेक्षा अधिक वर्षा होती है। पूर्वी घाट में ग्रीष्म-ऋतु के अंत में एवं शीत-ऋतु के समय अपेक्षाकृत अधिक वर्षा होती है।

Climate: There is more rainfall on the coastal slopes of the Western Ghats than during the summer months with relatively more rainfall. The Eastern Ghats receive relatively more rainfall at the end of summer and winter.



मृदा, वनस्पति एवं जैव विविधता: पश्चिमी घाट में अधिक वर्षण के कारण लैटेराइट मृदा के साथ मानसून एवं सदाबहार वन के वनस्पति मिलते हैं, जिसकी जैव-विविधता अपेक्षाकृत अधिक होती है, जबकि, पूर्वी घाट में कम वर्षा होने के कारण लाल मृदा के साथ कम जैव-विविधता वाले आर्द्र एवं शुष्क पर्णपाती वन के वृक्ष मिलते हैं।

Soil, flora and biodiversity: Due to over-precipitation in the Western Ghats, vegetation of monsoon and evergreen forest is found along with laterite soils, which have relatively higher biodiversity, whereas, due to less rainfall in the Eastern Ghats, less soils with red soil. Biodiverse wet and dry deciduous forest trees are found.

जल परिवहन एवं व्यापारिक महत्ता: पश्चिमी घाट का ढाल तीव्र होने के साथ जल की गहराई अपेक्षाकृत अधिक होने के कारण प्राकृतिक बंदरगाहों की दृष्टि से पश्चिमी घाट के तट का महत्व अधिक है। जबकि, पूर्वी घाट में नदी के द्वारा निर्मित उच्चाई मैदान के कारण तट की चौड़ाई अधिक एवं जल की गहराई कम होने के कारण बंदरगाहों की दृष्टि से पूर्वी घाट का महत्व कम हो जाता है।

Water Transport and Commercial Importance: The coast of the Western Ghats is more important from the point of view of natural harbors due to the relatively deep depth of water with the gradient of the Western Ghats. However, due to the high ground created by the river in the Eastern Ghats, due to the high width of the coast and the depth of the water is low, the importance of the Eastern Ghats decreases in terms of monkey birds.

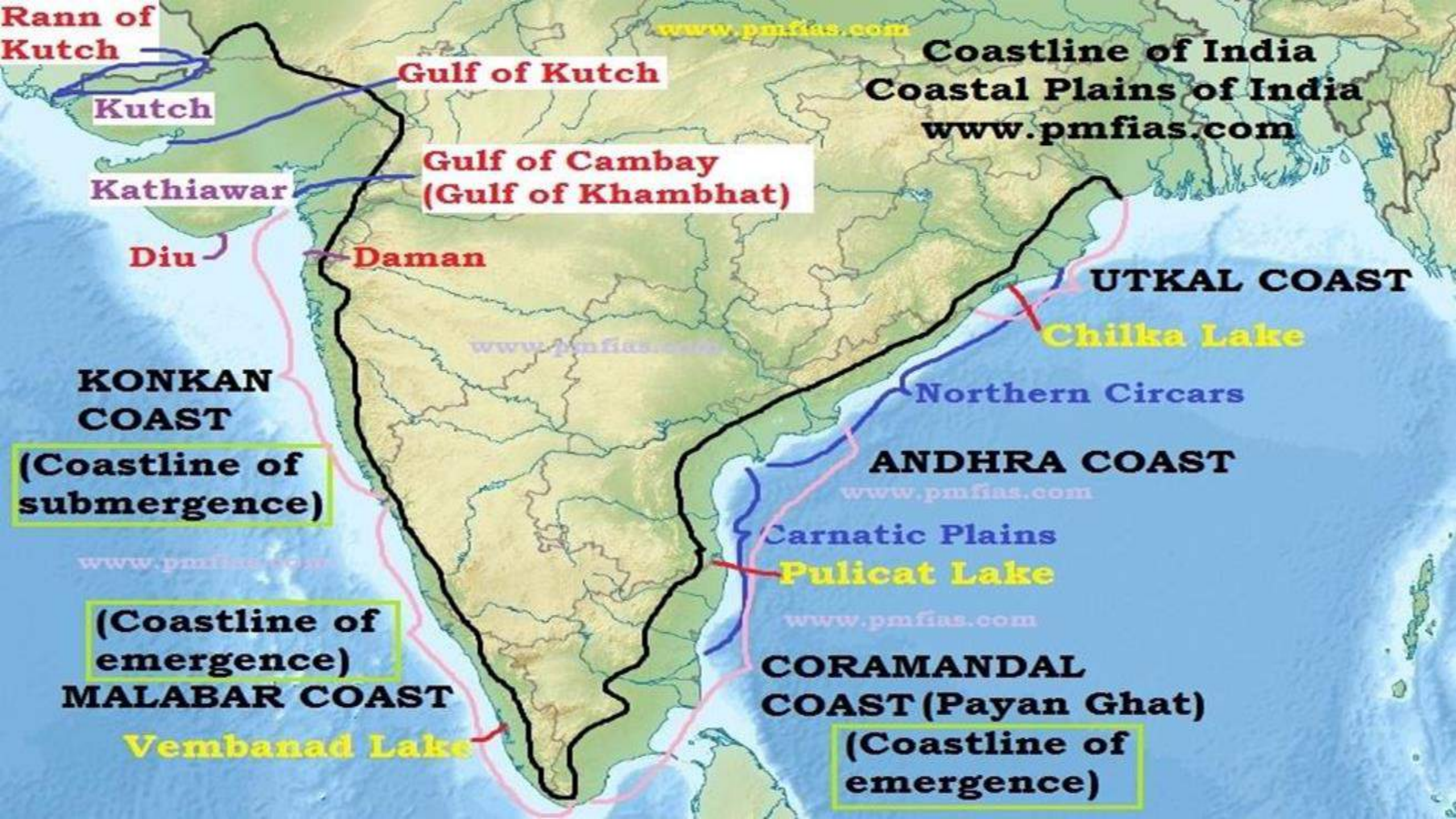
तटीय मैदान का विस्तार: पश्चिमी घाट से संलग्न तटीय मैदान की चौड़ाई अपेक्षाकृत कम है। जबकि, पूर्वी घाट से संलग्न पूर्वी तटीय मैदान की चौड़ाई अपेक्षाकृत अधिक है।

Expansion of coastal plain: The width of coastal plain enclosed by Western Ghats is relatively less. However, the width of the eastern coastal plain enclosed by the Eastern Ghats is relatively high.



There are two narrow plains in the east and west of the peninsular plateau of India, which are called the Eastern Coastal Plain and the Western Coastal Plain respectively. They have been formed due to erosion and deposition by oceanic waves and deposition of sediments brought by the rivers of the peninsular plateau

भारत के प्रायद्वीपीय पठार के पूर्व एवं पश्चिम में स्थित दो संकरे मैदान हैं जिन्हें क्रमशः पूर्वी तटीय मैदान एवं पश्चिमी तटीय मैदान कहा जाता है। इनका निर्माण सागरीय तरंगों द्वारा अपरदन एवं निक्षेपण तथा प्रायद्वीपीय पठार की नदियों द्वारा लाये गए अवसादों के जमाव के कारण हुई है।



Rann of Kutch

Gulf of Kutch

Kutch

Coastline of India
Coastal Plains of India
www.pmfias.com

Kathiawar

**Gulf of Cambay
(Gulf of Khambhat)**

Diu

Daman

UTKAL COAST

Chilka Lake

KONKAN COAST

(Coastline of submergence)

Northern Circars

ANDHRA COAST

www.pmfias.com

Carnatic Plains

Pulicat Lake

www.pmfias.com

MALABAR COAST

(Coastline of emergence)

CORAMANDAL COAST (Payan Ghat)
(Coastline of emergence)

Vembanad Lake

Western coastal plain

The western coastal plain is wide in areas ranging from Gujarat to Kanya Kumari. It stretches as a narrow alluvial strip, its highest width (80 km) attained at the mouths of the Narmada and Tapti rivers in the region of Gujarat. Kutch is the preeminent of marine deposits in the Kathiawar region. There is a substantial expansion of Regur soil in the Kathiawar areas.

पश्चिमी तटीय मैदान

पश्चिमी तटीय मैदान गुजरात से कन्या कुमारी तक के क्षेत्रों में विस्तृत है। यह एक संकरी जलोढ़ पट्टी के रूप में विस्तृत है, गुजरात के क्षेत्र में नर्मदा तथा ताप्ती नदी के मुहानों पर इसकी सर्वाधिक चौड़ाई (80 किमी.) प्राप्त होती है। कच्छ काठियावाड़ क्षेत्र में समुद्री निक्षेपों की प्रधानता है। काठियावाड़ क्षेत्रों में रेगुर मिट्टी का पर्याप्त विस्तार है।

The area from Diu to Daman is known as the Gujarat coast, the area from Daman to Goa is the Konkan coast, the area from Goa to Mangaluru in Karnataka is the Kannada coast and the area from Mangaluru to Kanyakumari is called the Malabar coast, although Kannada is sometimes included in the Malabar coast. Are done. The Malabar coast is dominated by backwaters and lagoons, also known as kayal. These are the water bodies surrounded by landmarks.

दीव से दमन तक का क्षेत्र गुजरात तट , दमन से गोवा तक का क्षेत्र कोंकण तट , गोवा से कर्नाटक के मंगलूरु तक का क्षेत्र कन्नड़ तट तथा मंगलूरु से कन्याकुमारी तक का क्षेत्र मालाबार तट कहलाता है , यद्यपि कन्नड़ तक को यदा कदा मालाबार तट में शामिल किया जाता हैं। मालाबार तट में पश्च जल एवं लैगूनों की प्रधानता है जिन्हे कयाल भी कहा जाता है। ये वे जलीय भाग है जो स्थलों द्वारा चारों ओर से घेर लिए गए हैं

The Coastal Plains

The Western Coastal Plain

Gulf of Khambat

KONKAN COAST

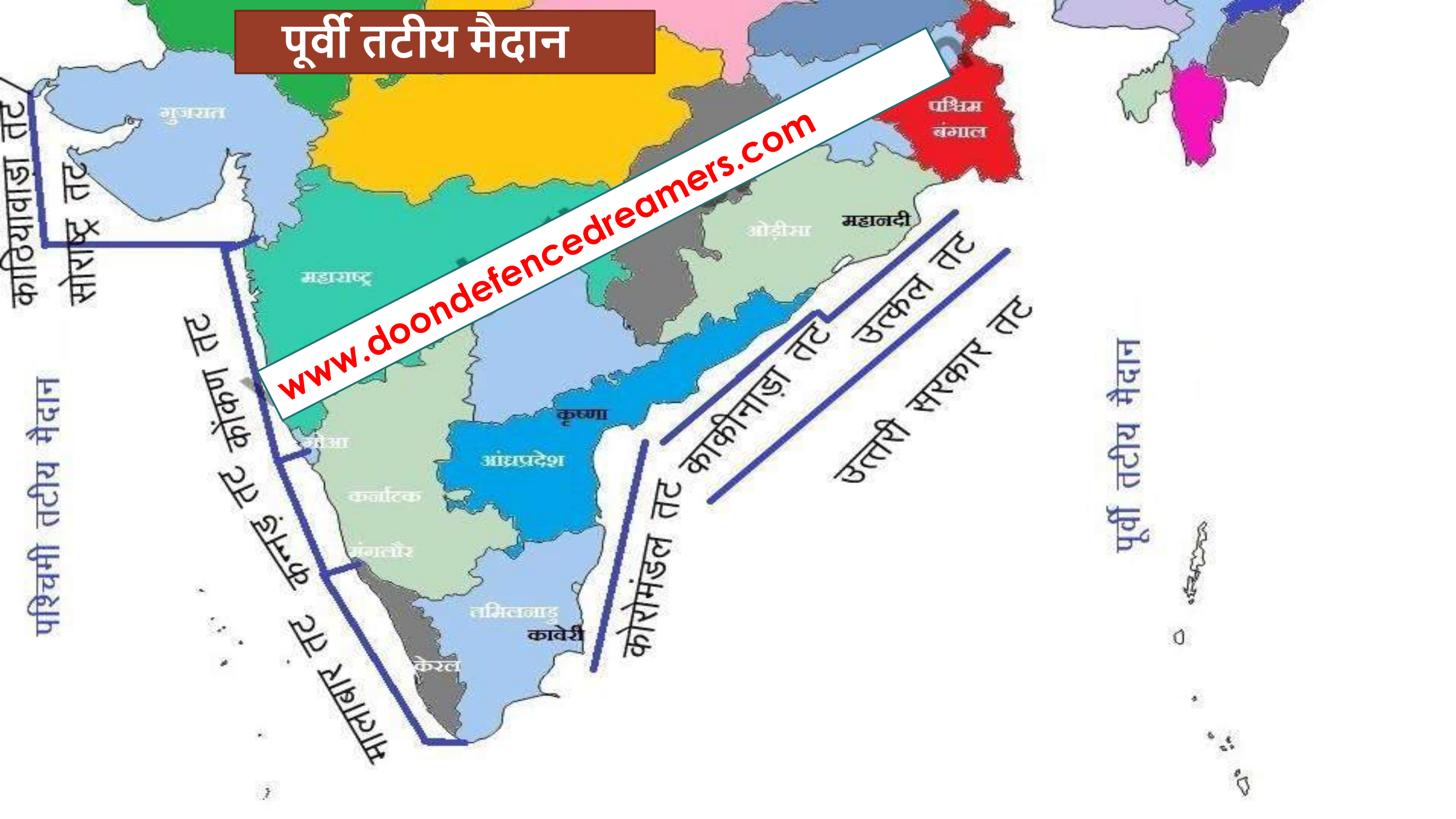
Mumbai

Goa

MALABAR COAST



पूर्वी तटीय मैदान



www.doondreamers.com

पूर्वी तटीय मैदान

The eastern coastal plain is called the long flat area between the Eastern Ghats (Coromandel Coast) and the Bay of Bengal in South India. It extends from Tamil Nadu to West Bengal at an average width of 120 km. The estuaries (deltas) of many rivers fall in this region. Prominent among these are Mahanadi, Godavari, Kaveri and Krishna.

पूर्वी तटीय मैदानी क्षेत्र दक्षिण भारत में पूर्वी घाट (कोरोमंडल तट) और बंगाल की खाड़ी के बीच फैले लंबे समतल क्षेत्र को कहा जाता है। यह तमिल नाडु से लेकर पश्चिम बंगाल तक १२० कि॰मी॰ की औसत चौड़ाई में फैला हुआ है। कई नदियों के मुहाने (डेल्टा) इस क्षेत्र में आते हैं। इनमें प्रमुख हैं महानदी, गोदावरी, कावेरी और कृष्णा।

The region receives north-eastern and south-western monsoon rains, ranging from 1000 mm to 3000 mm. As to the width of this plane ranges from 100-130 kilometers (62 to 80 miles) in different areas. This region between Mahanadi and Krishna rivers is called Karnataka region between Northern Sarkar and Krishna and Kaveri.

इस क्षेत्र में उत्तर-पूर्वी और दक्षिण-पश्चिमी मानसून वर्षाएं होती हैं, जो १००० मि.मी से ३००० मि.मी. तक होती हैं। इस समतल की चौड़ाई विभिन्न क्षेत्रों में १००-१३० किलोमीटर (६२ से ८० मील) तक है। महानदी और कृष्णा नदियों के बीच के इस क्षेत्र को उत्तरी सरकार और कृष्णा और कावेरी के बीच इसे कर्नाटक क्षेत्र कहा जाता है।

There are three main sections in this area:

Utkal plane: -

The coastal areas of Orissa come along the Mahanadi delta. It also includes the famous Chilka Lake, Which is the largest lake in India.

इस क्षेत्र में तीन मुख्य अनुभाग हैं:-

उत्कल समतल:-

उड़ीसा के तटीय क्षेत्र महानदी के डेल्टा सहित आते हैं। इसमें ही प्रसिद्ध चिल्का झील भी आती है जो भारत की सबसे बड़ी झील है।

Andhra level: -

The area ranging from Utkal level in the north to Pulicat lake in the south is called Andhra level. Sriharikota island is in Pulicat lake itself. The delta of Godavari and Kaveri are formed in this region itself. Kolleru Lake is also here.

आंध्र समतल:-

उत्तर में उत्कल समतल से दक्षिण में पुलिकट झील तक के क्षेत्र को आंध्र समतल कहते हैं। पुलिकट झील में ही श्रीहरिकोटा द्वीप है। इस क्षेत्र में ही गोदावरी और कावेरी के डेल्टा बनते हैं। यहीं कोल्लेरु झील भी है।

Tamil Nadu level: -

This area comes from Pulicat lake to Kanyakumari.

In this region itself, the delta of Khaveri is formed.

The delta of this delta is Annapurna for South India.

तमिल नाडु समतल:-

यह क्षेत्र पुलिकट झील से कन्याकुमारी तक आता है। इस क्षेत्र में ही कावेरी का डेल्टा बनता है।

इस डेल्टा की उपत्यका दक्षिण भारत के लिए अन्नपूर्णा है।